Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam. Code : 216303
Subject Code : 4356

M.A. (Hindi) 3rd Semester

PRACHIN AVEM MADHYAKALIN HINDI KAVYA

Paper—XI

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— यह प्रश्नपत्र **दो** भागों में विभाजित है। निर्देशानुसार ही उत्तर दें।

भाग—एक

भाग-एक **दो** उपशीर्षकों में विभक्त है। निर्देशानुसार ही उत्तर दें।

उपशीर्षक—क

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करें :—

1. घूम-घुमेला लँहगा पहिने एक पाँव से रहे खड़ी।
आठ हाथ हैं उस नारी के सूरत उसकी लगे परी।
सब कोई उसकी चाह करें हैं मुसलमान हिन्दू छत्री।
खुसरो ने यह कही पहेली दिन में अपने सोच ज़री।।

2. सारी रैन मोरे संग जागा। भोर भए तब बिछुड़न लागा।
वाके बिछुड़त फाटे हिया। ऐ सखी साजन ना सखी दीया।।

(Contd.)

कन्या महा विद्यालय पुस्तकालय
जालन्धर शहर

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

3. अब ताहि जानि न देहू राम पियरि,
ज्यूँ भावै त्यूँ होह हमारे।।
बहुत दिनन के बिछुरे हरि पाये, भाग बड़े घरि बैठें आये।
चरननि लागि करौं बरिआई, प्रेम प्रीति राखौं उरझाई।
इत मन मंदिर रहौ नित चोषै, कहे कबीर परहु मति घोषै।।

4. कबीर सूता क्या करे, जागि न जपै मुरारि।
एक दिनां भी सोवणां, लंबे पाँव पसारि।।
राम पियारा छांड़ि करि, करै आन का जाप।
बेस्वां केरा पूत ज्यूं, कहैं कौन सूँ बाप।।

5. पूस जाड़ थरथर तन काँपा। सूरुज जड़ाइ लंक दिस तापा।
बिरह बाढ़ि भा दारून सीऊ। कंपि कंपि मरौं लेहि हरि जीऊ।
कंत कहाँ, हौं लागौ हियरें। पंथ अपार सूझ नहिं नियरे।
सौर सुपेती आवै जूड़ी। जानहुँ सेज हिवंचल बूड़ी।
रकत ढरा मांसू गश, हाड़ भए सब संख।
धनि सारस होइ हरि मुई, आइ समेटहु पंख।।

6. खेलत मानसरोवर गई। जाइ पालि पर ठाढ़ी भई।
देखि सरोवर रह सहिं केली। पदुमावति सौं कहहिं सहेली।।
ऐ रानी मन देखु बिचारी। एहि नैहर रहना दिन चारी।।
जौ लहि अहै पिता कर राजू। खेलि लेहु जौं खेलहु आजू।।
पुनि सासुर हम गौनब काली। कित हम कित एह सरबर पाली।।
कित आवन पुनि अपने हाथाँ। कित मिलि कै खेलब एक साथा।।

4×6=24

उपशीर्षक—ख

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए :—

1. अमीर खुसरो के काव्य की विशेषताएं लिखिए।
2. गोरखनाथ का जीवन परिचय लिखिए।
3. 'अमीर खुसरो हिन्दी के आदि कवि हैं' — सिद्ध करें।
4. कबीर के ब्रह्म सम्बन्धी विचारों को स्पष्ट कीजिए।
5. 'कबीर क्रान्ति का शंखनाद करने वाले तेजस्वी पुरुष थे' — इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ?
6. 'जायसी के काव्य में लोक संस्कृति' विषय पर संक्षिप्त निबंध लिखें। 4×6=24

भाग—दो

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :—

1. अमीर खुसरो के काव्य की मूल संवेदना पर विचार कीजिए।
2. कबीर के रहस्यवाद का उद्घाटन कीजिए।
3. 'पद्मावत में लौकिक प्रेम के माध्यम से आध्यात्मिक प्रेम की अभिव्यंजना हुई है' — इस कथन का स्पष्टीकरण कीजिए। 2×16=32

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam. Code : 216303
Subject Code : 4357

M.A. Hindi Semester—III

PAPER—XII : ADHUNIK GADYA SAHITYA

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

प्रथम भाग

(अ)

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **चार** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :– 6×4=24

(क) आदमी द्वार पर बैठा है, उसके लिए खाट-वाट तो डाल नहीं दी, ऊपर से लगे भुनभुनाने। कुछ तो भलमनसी सीखो। कलसा ले जाओ, पानी भरकर रख दो, हाथ-मुँह धोएँ, कुछ रस-पानी पिला दो। मुसीबत में ही आदमी दूसरों के सामने हाथ फैलाता है।

(ख) होरी में बाल की खाल निकालने की शक्ति होती, तो वह खुशी से गाय लेकर घर की राह लेता। भोला जब नकद रुपये नहीं माँगता, तो स्पष्ट था कि वह भूसे के लिए गाय नहीं बेच रहा है, बल्कि इसका कुछ और आशय है; लेकिन जैसे पत्तों के खड़कने पर घोड़ा अकारण ही ठिठक जाता है और मारने पर भी आगे कदम नहीं उठाता, वही दशा होरी की थी। संकट की चीज लेना पाप है, यह बात जन्म-जन्मान्तरों से उसकी आत्मा का अंश बन गयी थी।

कन्या महा विद्यालय पुस्तकालय
जालन्धर शहर

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

(ग) बुआ, बुआ। –पल-भर के लिए अपने को ही कुछ ऐसा-सा लगा कि किसी और को पुकारने के लिए बुआ को पुकार रहा हूँ। बुआ ने विवश हो आँखें ऊपर उठायीं। समझ गया कि बुआ चाहती हैं, कुछ कहूँ नहीं, पर मैं नहीं रुका।

(घ) वह पूछ ही क्यों नहीं लेता ? मान लो, यदि पूछ ही ले तो क्या मैं कह सकूँगी कि मैं तुम्हें ज़िन्दगी-भर माफ़ नहीं कर सकती, मैं तुमसे नफ़रत करती हूँ, मैं तुम्हारे साथ घूम-फिर ली, या कॉफ़ी पी ली, तो यह मत समझो कि मैं तुम्हारे विश्वासघात की बात को भूल गयी हूँ।

(ङ) उन्हें अज्ञातकुलशील रामा पर विश्वास नहीं हुआ; पर माँ से यह तर्क करना व्यर्थ होता, क्योंकि वे किसी की पात्रता-अपात्रता का मापदंड अपनी सहज-संवेदना ही को मानती थीं। रामा की कुरूपता का आवरण भेदकर उनकी सहानुभूति ने जिस सरल हृदय को परख लिया, उसमें अक्षय सौन्दर्य न होगा, ऐसा संदेह उनके लिए असंभव था।

(च) अपने जीवनव्यापी अँधेरेपन में वह ऐसा व्यवसाय से उलझा हुआ कर्त्तव्य किस प्रकार सँभाल सकेगा, यह पूछने का अवकाश न देकर अलोपी ने अपने फुफेरे भाई रग्घू की ओर संकेत कर बताया कि उन दोनों के सम्मिलित पुरुषार्थ से कठिनतम कार्य भी संभव होते रहे हैं।

(आ)

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए :– 6×4=24

(क) अलोपी के चरित्र की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'घीसा' के कथ्य का सार लिखिए।

(ग) धनिया के चरित्र की कौन-कौनसी विशेषताएँ आपको आकृष्ट करती हैं ?

(घ) 'गोदान' को कृषक जीवन की त्रासदी का उपन्यास क्यों कहा जाता है ?

(ङ) शिवपूजन सहाय का सामान्य परिचय दीजिए।

(च) 'शबरी' कहानी के संदेश क्या हैं ?

द्वितीय भाग

3. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए :– 16×2=32

(क) 'गोदान' की मुख्य समस्याओं की विवेचना कीजिए।

(ख) 'एक और ज़िन्दगी' कहानी के कथ्य एवं शिल्प का मूल्यांकन कीजिए।

(ग) रेखाचित्र के तत्त्वों के आधार पर 'सबला' का मूल्यांकन कीजिए।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

15/12/18

Exam. Code : 216303
Subject Code : 4358

M.A. Hindi 3rd Semester

BHASHA VIGYAN

Paper—XIII

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— यह प्रश्न-पत्र **दो** भागों में विभाजित है। निर्देशानुसार उत्तर दें।

भाग—एक

I. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **आठ** प्रश्नों के उत्तर दें :—

(i) भाषा के विविध रूपों पर चर्चा करें।

(ii) भाषा को परिभाषित करते हुए भाषा के अभिलक्षणों का वर्णन करें।

(iii) भाषा विज्ञान की परिभाषा देते हुए इसका स्वरूप स्पष्ट करें।

(iv) भाषा विज्ञान के अध्ययन की तुलनात्मक दिशा को विश्लेषित करें।

(v) ध्वनियों के वर्गीकरण के आधारों का उल्लेख करें।

(vi) रूपिम के भेदों पर चर्चा करें।

(vii) अर्थ विज्ञान की अवधारणा स्पष्ट करें।

(viii) शैलीविज्ञान की अवधारणा पर चर्चा करें।

(ix) व्यवस्थापरक व्याकरण का स्वरूप स्पष्ट करें।

कन्या महा विद्यालय पुस्तकालय
जालन्धर शहर

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

(x) ग्रिमनियम की व्याख्या करें।

(xi) अर्थ के आधार पर वाक्य के भेदों का वर्णन करें।

(xii) रूप-परिवर्तन के कारण स्पष्ट करें। 8×6=48

भाग—दो

II. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दें :—

(i) आधुनिक भाषा विज्ञान की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख करें।

(ii) अर्थ परिवर्तन के विभिन्न कारणों को व्याख्यायित करें।

(iii) भाषा के पारिवारिक और आकृतिमूलक वर्गीकरण पर चर्चा करें। 2×16=32

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam. Code : 216303
Subject Code : 4359

M.A. Hindi Semester—III

PAPER—XIV : PATTRAKARITA PARSHIKSHAN

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

(क) प्रथम भाग

नोट :— किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें। प्रत्येक प्रश्न **6** अंक का है।

8×6=48

1. हिन्दी पत्रकारिता के उद्भवक्रम पर प्रकाश डालें।

2. समाचार पत्रकारिता के मूल तत्वों के संदर्भ में 'समाचार संकलन' पर प्रकाश डालें।

3. समाचारपत्रों की 'प्रस्तुत-प्रक्रिया' को स्पष्ट करें।

4. संवाददाताओं की विभिन्न श्रेणियों पर प्रकाश डालें।

5. पत्रकारिता के संदर्भ में 'रिपोर्ताज' के महत्व को उद्घाटित करें।

6. इलैक्ट्रानिक मीडिया के संदर्भ में 'टी.वी.' का क्या योगदान रहा है–उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

7. प्रिंट पत्रकारिता में 'पृष्ठ सजाना' के स्वरूप पर प्रकाश डालें।

कन्या महा विद्यालय पुस्तकालय
जालन्धर शहर

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

8. पत्रकारिता के संदर्भ में 'फीचर' के महत्व को स्पष्ट करें।

9. इलैक्ट्रोनिक मीडिया की पत्रकारिता के संदर्भ में 'मल्टी मीडिया' के योगदान पर प्रकाश डालें।

10. पत्रकारिता की 'बिक्री व्यवस्था' पर प्रकाश डालें।

11. पत्रकारिता के संदर्भ में 'लोक-सम्पर्क' की अवधारणा पर प्रकाश डालें।

12. प्रसार भारती की प्रासंगिकता को उद्घाटित करें।

(ख) द्वितीय भाग

नोट :— किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखें। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का हैं। 2×16=32

13. समाचार पत्रकारिता में लेखन के मुख्य आयामों पर विस्तार से प्रकाश डालें।

14. हिन्दी पत्रकारिता के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए इसके विकास क्रम पर प्रकाश डालें।

15. सूचना प्रौद्योगिकी की प्रासंगिकता और महत्ता को विस्तार सहित विवेचित करें।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

22-10-18

Exam. Code : 216303
Subject Code : 4361

M.A. Hindi 3rd Semester

HINDI KAHANI

Paper—XV, Opt. (ii)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— यह प्रश्न-पत्र दो भागों में विभाजित है। निर्देशानुसार उत्तर दें।

भाग—I

यह भाग दो उपभागों में विभाजित है। निर्देशानुसार उत्तर दें।

उपभाग—क

निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिये।

1. वैसे जैसे बहुत देर से प्रयोग में न लाये हुए अंग को व्यक्ति एकाएक उठाने लगे और पाये कि वह उठता ही नहीं है, चिरस्मृति में मानो मर गया है, उतने क्षीण बल से (यद्यपि वह सारा प्राप्य बल है) उठ नहीं सकता··· मुझे ऐसा जान पड़ा, मानो किसी जीवित प्राणी के गले में किसी मृत जन्तु का तौक डाल दिया गया हो, वह उसे उतारकर फेंकना चाहे, पर उतार न पाये···

2. चाहे मुसलमान मरे, चाहे हिन्दु ! मेरा मकसद तो इतना है कि चाहे हिन्दु हो चाहे सिख हो, चाहे मुसलमान हो, जो मैंने देखा है वह किसी को न देखना पड़े; और मरने से पहले मेरे

कन्या महा विद्यालय पुस्तकालय
जालन्धर शहर

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

घर के लोगों की जो गति हुई, वह परमात्मा न करे, किसी की बहू-बेटियों को देखनी पड़े !

3. जब सब पीछे छूट गया तो भीतर से एक गहरी निःश्वास निकली थी, शायद मुक्ति की। अपने ही शरीर का फोड़ा जब सूख जाता है तो मरी हुई खाल को शरीर से खींचकर अलग करते समय जैसी भावना आती है, कुछ-कुछ वैसी ही।

4. अपनी कोठरी में और कोई कष्ट नहीं था, पर भयंकर गर्मी के दिन और पंखा नहीं। रात जैसे-तैसे छत पर कट जाती, पर दोपहर में तो छत पर बने ये कमरे भट्‌टी की तरह जलते थे। छुट्‌टियों के दिन बिताए नहीं बीत रहे थे। अपनी किसी सहेली के यहाँ जाने की इच्छा नहीं होती थी। पड़ोस तक में जाना छोड़ रखा था। दुःख में कोई साथी नहीं होता। बस, एक गांठ बांध रखी थी जब तक ये बुरे ग्रह टल नहीं जाते, तब तक सभी कुछ चुपचाप सहन करना है।

5. मुझे कभी बाहर जाना पड़ा, तो तुम्हीं को काम संभालना है। नौकर कभी किसी को कमाकर नहीं खिलाते। जमीन-जायदाद का काम करना हो तो सुस्ती से काम नहीं चलता। कुछ हिम्मत से काम लिया करो।

6. सामाजिक शक्तियों को समझे बिना तुम बौद्ध धर्म को भी कैसे समझ पाओगे ? ज्ञान का प्रत्येक क्षेत्र एक-दूसरे से जुड़ा है, जीवन से जुड़ा है। कोई चीज़ जीवन से अलग नहीं है। तुम जीवन से अलग होकर धर्म को भी कैसे समझ सकते हो ?

4×6=24

उपभाग—ख

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. कहानी के तत्त्वों पर प्रकाश डालें।
2. अज्ञेय की 'सांप' कहानी के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध करें।
3. 'यही सच है' के कथ्य पर विचार करें।
4. 'रतन' के चरित्र को रेखांकित करें।
5. भीष्म की कहानी 'चीफ की दावत' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालें।
6. मन्नू भण्डारी की भाषा पर विचार करें। 4×6=24

भाग—II

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. हिन्दी कहानी के विभिन्न आंदोलनों पर प्रकाश डालें।
2. अज्ञेय की कहानियों में मनोविज्ञान को व्याख्यायित करें।
3. मन्नू भण्डारी की कहानियों में अस्तित्ववादी चेतना पर विचार करें।

2×16=32